श्री चंद्रशेखर गुरुस्तुति पंचकं

शिवगुरु नंदन शंकर शोभित काम पदांकित पीठपते
नृपजनवंदित विश्वमनोहर सर्वकळाधर पूततनो
श्रुतिमत पोषक दुर्मत शिक्षक सज्जन रक्षक कल्पतरो
जय जयहे शशिशेखर देशिक कांचि मठेश्वर पालयमाम् ॥ 1

श्रीधर शशिधर भेदविकल्पन दोषनिवारण धीरमते
रघुपति पूजित लिंग समर्चन जात मनोहर शीलतनो
बहुविध पंडित मंडल मंडित संसदि पूजित वेदनिधे
जय जयहे शशिशेखर देशिक कांचि मठेश्वर पालयमाम् ॥ 2

हिमगिरि संभव दिव्यसरिद्वर शोभिशिरोवर भक्तिनिधे
निज सकलागम शास्त्र विमर्शक पंडित मंडल वंद्यतनो
बुधजनरंजक दुर्जन मानस दोषनिवारक वाक्यरते
जय जयहे शशिशेखर देशिक कांचि मठेश्वर पालयमाम् ॥ 3

मधुसम भाषण दुर्मत शोषण सज्जन पोषण धीरमते
शुकमुनि तातज सूत्रविमर्शक शंकर बोधित भाष्यरते
निगम सुलक्षण रक्षण पंडित भास्वर मंडल पोषकहे
जय जयहे शशिशेखर देशिक कांचि मठेश्वर पालयमाम् ॥ 4

© 2022 Vedam Nadam

रतिपति सुंदर रूप मनोहर बुधजन मानस सारसहे
तुहिन धराधर पुत्र्यभि मोहित कामकलॆश्वर पूजकहे
कनक धराधर कार्मुक नंदित कामकला दृढ भक्तनिधे
जय जयहे शशिशेखर देशिक कांचि मठेश्वर पालयमाम् ॥ 5

॥ इति श्री चंद्रशेखर गुरुस्तुति पंचकं संपूर्णम् ॥

Vedam Nadam

© 2022 Vedam Nadam